विपनेट कार्यशाला रिपोर्ट -2012 ग्वालियर : 3 से 5 सितम्बर 2012,

बिहार राज्य

प्रतिभागी राज्य : मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, बिहार, झारखंड, बिहार

प्रथम दिन 3 सितम्बर :

ग्वालियर में जिन्सी रोड़ स्थित होटल नवरत्न में विज्ञान प्रसार एवं युवा विज्ञान परिषद ग्वालिय के संयुक्त तत्वावधान में क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि श्री वेद प्रकाश जी (कमिश्नर नगर निगम ग्वालियर) ने दीप पज्जवलित कर लिया। उनके साथ गरिमामय उपस्थिति भी थी जिसमें मुख्य रुप से बी. कु. त्यागी (वैज्ञानिक विज्ञान प्रसार), डॉ. एस.आई.एस. (वैज्ञानिक), डॉ. राजीव जैन, डॉ. राकेश उपाध्याय, एस.सी. अरोरा एवं साथ में युवा विज्ञान परिषद के सचिव सुनील जैन भी थे।

प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में सभी महानुभावों का फूल गुलदस्ते से स्वागत किया गया साथ ही विभिन्न राज्यों से आए हुए शिक्षकों का स्वागत एवं अभिवादन सुनील जैन ने किया।

इस अवसर पर सुनील जी ने ग्वालियर को तानसेन की नगरी एवं बी.कु. त्यागी जी ने जल प्रदूषण की महत्ता पर प्रकाश डाला। वेद प्रकाश जी ने भी जल महत्ता के विषय में बताया। डॉ. एस.जी.एस. फ्लोरा द्वारा जल में अधिक मात्रा में आर्सेनिक मौजूद होने पर चिंता प्रकट की गई एवं बताया कि यह हमारे जीवन के लिए खतरा है। एस.सी. अरोरा एवं विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक डॉ. राकेश उपाध्याय ने विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही राकेश जी ने बताया कि देश में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान प्रसार नेटवर्क (विपनेट) के 12500 क्लब कार्य कर रहे हैं। इसी के साथ प्रथम दिन का समापन हुआ।

दूसरा सत्र :- द्वितीय सत्र में श्री बी.कु. त्यागी जी ने बताया कि विज्ञान क्लबों को लोकप्रिय बनाकर इसके वास्तविकता से लोगों को परिचित कराना एवं अंधविश्वासों को दूर करना है। वर्तमान समय में इंटरनेट के महत्व को देखते हुए कहा कि सभी क्लबों को इंटरनेट से जोड़ना चाहिए। साथ ही उन्होंने ज्ञान और विज्ञान में अंतर के विषय में बताया एवं कहा कि चमत्कार दिखाना विज्ञान नहीं है। उन्होंनें यह भी कहा कि लीड क्लब को कम से कम 50 क्लब बनाना चाहिए। इसी के साथ श्रीमती छाया सक्सेना द्वारा हस्तकला की प्रदर्शनी भी दिखाई गई।

दूसरा दिन 4 सितम्बर :

प्रथम सत्र में श्री पवन पारिख मुख्य विकास अधिकारी -चन्द्रा फाउण्डेशन, जयपुर ने विपनेट क्लब के अभिलेख तैयार करने के विषय में विस्तार से बताया। साथ ही युवा विज्ञान परिषद ग्वालियर के सचिव श्री सुनील जैन एवं जितेन्द्र भटनागर ने चमत्कारों की वैज्ञानिक वयाख्या कर अंधविश्वास दूर करने को लेकर सीधा प्रदर्शन किया।

द्वितीय सत्र में सभी प्रतिभागियों को ग्वालियर स्थित डी.आर.डी.ई. सभागार में ले जाया गया जहाँ उप-निदेशक श्री सुभीन कुमार द्वारा बायाडिजैस्टर एवं ह्यूमन वेस्ट पर रोचक एवं नवीनतम जानकारी विस्तृत रुप से सभी को दी एवं इस विषय पर सभी सवालों के जवाब ध्यानपूर्व दिए। साथ ही जीवाणु द्वारा बिजली उत्पादन विधि पर रोचक व्याख्यान दिया गया।

इसी सत्र में आई.टी.एस. विश्वविद्यालय की रसायन विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. श्रधा शर्मा द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थों की जांच के तरीके तथा उनसे होने वाली बीमारियों पर प्रकाश डाला।

तीसरा एवं अन्तिम दिन 5 सितम्बर :

अन्तिम सत्र काफी जिज्ञासा के साथ आरम्भ हुआ मुख्य रुप से बी.कु. त्यागी द्वारा सभी प्रतिभागियों को आगामी 2 वर्ष में होने वाली विभिन्न गविविधि के विषय में विस्तार से चर्चा की। और बताया कि विज्ञान प्रसार का भावी कार्यक्रम क्या है। साथ ही विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक श्री बी.कु. त्यागी एवं राकेश उपाध्याय ने सभी क्लबों का सामान्य 2 वर्ष के कार्यक्रम के विषय में सहभागियों से वार्ता की। तत्पश्चात् वैलिडिक्टरी सत्र के बाद काार्यक्रम का समापन हुआ।

विपनेट क्षेत्रीय कार्यशाला रिपोर्ट -2012 ग्वालियर : 3 से 5 सितम्बर 2012,

मध्य प्रदेश राज्य

प्रतिभागी राज्य : मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, बिहार, झारखंड, बिहार

प्रस्तुति : डॉ. वाई.के. कोठारीः मध्य प्रदेश

प्रथम दिन 3 सितम्बर :

प्रथम सत्र में सुनील जैन, सचिव, युवा विज्ञान परिषद ग्वालियर ने तानसेन की नगरी में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इस क्षेत्रीय कार्यशाला में हम सभी मिलकर क्लब के लिए सभी मिलकर कुछ नयी गविविधि का विकास करेंगे। बी.कु. त्यागी, वैज्ञानिक, विज्ञान प्रसार ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य विज्ञान को समाज से जोड़ना है। साथ ही श्री वेद प्रकाश, कमिश्नर नगर निगम ने कहा कि राजनीति देश के टुकड़े करती हैं जबकि विज्ञान देश की एकता के लिए है। मुख्य वक्ता डॉ. एस.जी.एस. फ्लोरा वरिष्ठ वैज्ञानिक डी.आर.डी.ई. ने कहा कि विज्ञान आज चौराहे पर खड़ा है, युवा वैज्ञानिक नहीं बनाा चाहते है। उन्होंने मुख्य रुप से जल में आर्सेनिक की मात्रा बढ़ने पर चिंता प्रकट की और कहा कि यह मानवता के लिए खतरा है। डॉ. राजीव जैन ने बढ़ते घातक रसायनों के दुष्प्रभाव के विषय में बताया। इसी के साथ अन्त में वैज्ञानिक राकेश उपाध्याय, विज्ञान प्रसार ने बताया कि विज्ञान प्रसार विपनेट क्लब को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। इन सब कार्यक्रम के अन्त में आभार एस.सी अरुणा ने माना। कार्यक्रम में श्री एच.एल. चौधरी ने प्रतिभागियों को स्क्रिप्ट राइटिंग के बारे में बताया। श्री बी.कु. त्यागी ने सभी को उपलब्ध 'फीड बैक फार्म' के बारे में बताया। तत्पश्चात् भोजनावकाश हुआ।

भोजनावकाश के बाद पुनः श्री त्यागी ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए क्लब गविविधियों को विस्तार से बताया एवं प्रमेन्द्र चतुर्वेदी ने ऑरिगैमी के बारे में बताया।

दूसरा दिन 3 सितम्बर :

सत्र का संचालन सुनील जैन (सचिव यूवा विज्ञान परिषद, ग्वालियर) ने किया। इस सत्र को सम्बोधित करते हुए श्री पवन पारिख, मुख्य विकास अधिकारी चन्द्रा साइंस सेन्टर, जयपुर ने 'इफेक्टिव इवैंट मैनेजमेंट' को बताकर साइंस क्लब किस प्रकार प्रभावशाली बनाये जाए इसके गुण बताए। साथ ही उन्होंने क्लब की सफलता के तत्व भी बताए। इसी सत्र में श्री पारिख ने 'प्रभावशाली पोस्टर डिजाइन

इसी सत्र में श्री त्यागी ने मुख्य विषय पर प्रकाश डाला जिसमें- सब थीम, एनर्जी, साइंस बिहाइन्ड मिराकल, डिजास्टर मैनेजमेंट आदि रहे।

तत्पश्चात् भोजनावकाश हुआ। उसके बाद सभी प्रतिभागी एवं आयोजन डी.आर.डी.ओ. की शाख डी.आर.

डी.ई. गए। जहां उप-निदेशक श्री सुशील शर्मा ने बायोडिजास्टर, बायोटॉयलेट आादि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी एवं प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

इसके पश्चात् सभी प्रतिभागी कार्यक्रम स्थल होटल नवरत्न आए जहाँ श्रीमती साधना ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

तीसरा एवं अन्तिम दिन 5 सितम्बर :

अन्तिम सत्र काफी जिज्ञासा के साथ आरम्भ हुआ मुख्य रुप से बी.कु. त्यागी द्वारा सभी प्रतिभागियों को आगामी 2 वर्ष में होने वाली विभिन्न गविविधि के विषय में विस्तार से चर्चा की। और बताया कि विज्ञान प्रसार का भावी कार्यक्रम क्या है। साथ ही विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक श्री बी.कु. त्यागी एवं राकेश उपाध्याय ने सभी क्लबों का सामान्य 2 वर्ष के कार्यक्रम के विषय में सहभागियों से वार्ता की। तत्पश्चात् वैलिडिक्टरी सत्र के बाद काार्यक्रम का समापन हुआ।